अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र/प्रमाण-पत्र

भूमिका i-vii

प्रथम अध्याय **1-34**

1.भारतीय नवजागरण और अनुवाद : परिचयात्मक अध्ययन

1.1: नवजागरण: सामान्य परिचय

1.2.भारतीय नवजागरण की पृष्ठभूमि

1.3.नवजागरणकालीन चेतना के विकास के प्रमुख पक्ष

1.3.1.नवजागरण काल : वैचारिक पक्ष

1.3.2. नवजागरण काल : शैक्षिक पक्ष

1.3.3.नवजागरण काल : राजनैतिक पक्ष

1.3.4.नवजागरण काल : सामाजिक एवं धार्मिक पक्ष

1.3.5.नवजागरण काल : आर्थिक पक्ष

1.3.6.नवजागरण काल : भाषाई पक्ष

1.3.7. नवजागरण काल : राष्ट्रीय भावना और भावी भारत की तस्वीर

1.4.नवजागरण काल में अनुवाद की आवश्यकता

1.5.नवजागरण काल के अनूदित साहित्य का आकलन

1.5.1.पाश्चात्य साहित्य से किया गया हिंदी अनुवाद

1.5.1.1. काव्य

1.5.1.2.नाटक
1.5.1.3.निबंध
1.5.1.4. कहानी
1.5.1.5. उपन्यास
1.5.1.6. जीवन चरित
1.5.1.7. अन्य
1.5.2.भारतीय भाषाओं से किया गया हिंदी अनुवाद
1.5.2.1.काव्य
1.5.2.2.धार्मिक एवं पौराणिक साहित्य
1.5.2.3.नाटक
1.5.2.4.उपन्यास
1.5.2.5. निबंध
1.5.2.6. जीवन चरित
1.5.2.7. शैक्षिक सामग्री
1.5.2.8. चिकित्सा संबंधी सामग्री
1.5.2.9. ज्योतिष संबंधी सामग्री
1.5.2.10. नीतिग्रंथ
1.5.2.11.अन्य
1.5.2.12.दु-भाषी समाचारपत्र
1.5.2.13.पत्र/पत्रिकाएँ

द्वितीय अध्याय **35-61**

2. राजनैतिक चेतना:साम्राज्यवाद व अनुवाद
2.1. साम्राज्यवाद :सामान्य परिचय
2.2. नवजागरणकालीन अनूदित कृतियों में साम्राज्यवाद का यथार्थ और जागरण
2.2.1. साम्राज्यवाद के विस्तार का स्वरूप।
2.2.2. साम्राज्यवाद विस्तार और यातायात।
2.2.3. शासन का जनता के प्रति उदासीन रवैया, जनता की सुरक्षा और शांति
2.2.4. साम्राज्यवाद के विस्तार में कूटनीति की भूमिका

2.3. साम्राज्यवाद के विरुद्द चेतना के विकास में अनुवाद की भूमिका

तृतीय अध्याय **62-88**

3. राजनैतिक चेतना: सामाजिक स्थिति व अनुवाद

3.1. ब्रिटिश कालीन भारतीय समाज का यथार्थ

3.2. अनूदित साहित्य में सामाजिक स्थिति का स्वरूप

3.2.1. सामाजिक संरचना और जागरण

3.2.2.स्त्रियों की सामाजिक स्थिति और जागरण

3.2.3. समाज में जाति व्यवस्था का यथार्थ और जागरण

3.2.4. धार्मिक स्थिति और जागरण

3.2.5. शैक्षिक स्थिति और जागरण

3.2.6.आर्थिक स्थिति और जागरण

चतुर्थ अध्याय **89-110**

4.राजनैतिक चेतना : भाषा, वैचारिकता और अनुवाद

4.1. भाषाई चेतना और भाषा विकास

4.1.1भाषा के गठन के प्रति सावधानी

4.1.2.भाषा और मुहावरें

4.1.3. भाषा और अलंकार

4.1.4.खड़ी बोली की रचनाओं में अन्य बोलियों का प्रयोग और भाषा का विकास

4.2. वैचारिक चेतना

4.2.1. नैतिक चेतना के स्तर पर

4.2.2. शासन व राज्य संबंधी चेतना के स्तर पर

4.2.3. शैक्षिक चेतना के स्तर पर

4.2.4. वैज्ञानिक चेतना के स्तर पर

उपसंहार एवं उपलब्धियाँ **111-114**

संदर्भ-सूची **115-117**

परिशिष्ट **118-123**